वर्ष 2021 की मुख्य उपलब्धियां

माह	मुख्य उपलब्धियां
दिसंबर-2021	केआरसीएल ने 16 से 18 दिसंबर 2021 तक नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी (आई आर ई ई-2021) में भाग लिया। केआरसीएल द्वारा विकसित विभिन्न नवीन और प्रौद्योगिकी पर आधारित विविध परियोजनाएं जैसे स्वचालित ट्रेन परिक्षण प्रणाली (ए.टी.ई.एस), ट्रैक मशीन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएमएस) और रेलवे ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (RTMS) को निगम द्वारा शुरू की जा रही अन्य प्रमुख अवसंरचनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के साथ-साथ प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया। नेपाल रेलवे के जयनगर- कुर्था खंड के परिचालन की पहली अंतर्राष्ट्रीय परियोजना शुरू की गई है। केआरसीएल ने इससे पहले 76 नेपाली रेलवे कर्मचारियों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया है। यात्री ट्रेन सेवाएं शुरू करने के लिए नेपाल रेलवे कंपनी लिमिटेड को ओ एंड एम सहायता प्रदान करने हेतु केआरसीएल विशेषज्ञों की एक टीम को नियुक्त किया गया है। एनडीआरएफ, पुणे के साथ आपदा प्रबंधन पर एक पूर्ण पैमाने पर मॉक ड्रिल का 10.12.2021 को वेर्णा डिपो में आयोजन किया गया । ड्रिल में यांत्रिक, इलेक्ट्रिकल, एस एंड टी, इंजीनियरिंग और चिकित्सा विभाग के कुल 86 कर्मचारियों ने भाग लिया।
नवंबर-2021	माह के दौरान मध्य रेलवे के विभिन्न डिपो में लोको निरीक्षकों और पॉवर कंट्रोलरों के लिए इलेक्ट्रिक इंजनों पर 'गहन समस्या निवारण प्रशिक्षण' का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में अब तक कुल 12 लोको निरीक्षकों और पॉवर कंट्रोलरों ने भाग लिया है। माह के दौरान सभी डिपो में रनिंग स्टाफ के लिए SPAD पर एक सप्ताह का अभियान चलाया गया। रत्नागिरी , मडगांव, वेर्ना और सुरतकल डिपो से कुल 354 रनिंग स्टाफ की काउंसलिंग की गई। आकस्मिक जाँच भी आयोजित किए गए थे और सभी शराब की प्रवृत्ति वाले कर्मचारियों को सी.एल.आई द्वारा काउंसलिंग की गई। सभी लॉबी में सी.एम.एस का प्रयोग और सभी डिपो में शत-प्रतिशत ब्रीद एनालाइजर टेस्ट पुनः शुरू किये गए। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर कोचों से प्लास्टिक कूड़ेदान को हटाने के लिए सर्वे किया गया। 130 डिब्बों का सर्वेक्षण किया गया है और किसी भी डिब्बों में प्लास्टिक कूड़ेदान नहीं पाया गया। इसी प्रकार अग्निशामकों की उपलब्धता संबंधी सर्वेक्षण किया गया और सर्वेक्षण के दौरान पाए गए 13 अग्निशामकों की कमी को पूरा किया जा रहा है।

	यू.के सर्टिफिकेशन एंड इंस्पेक्शन लिमिटेड द्वारा कोच केयर सेंटर/मडगांव में डिब्बों की सफाई, रख-रखाव और मरम्मत की सेवा के लिए 'एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आई.एम.एस)' का पुन: प्रमाणन सफलतापूर्वक पूरा किया गया ।
अक्टूबर -2021	माह के दौरान केआरसीएल द्वारा अनुरक्षित सभी मेल एक्सप्रेस और पैसेंजर रेक को आईसीएफ से एलएचबी में परिवर्तित कर दिया गया है। इन रेकों का रख-रखाव दक्षिण पश्चिम रेलवे के सहयोग से कोच केयर सेंटर मडगांव में किया जाता है। बनासवाड़ी/दक्षिण पश्चिम रेलवे में तकनीकी कर्मचारियों के लिए मेमू रख-रखाव पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अब तक 12 तकनीशियनों और 04 पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण पूरा हो गया है। केआरसीएल में मेमू ट्रेन संचालन हेतु उनको तैयार करने के लिए पश्चिम रेलवे में मेमू संचालन के लिए रनिंग स्टाफ और मुख्य लोको निरीक्षकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया ।
सितंबर-2021	नेपाल रेलवे कंपनी (एन.आर.सी) के साथ के.आर.सी.एल ने जयनगर-कुर्था क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक पर यात्री सेवाओं के संचालन के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और नेपाल रेलवे कंपनी से 04.38 करोड़ रुपये का मोबिलाइजेशन अग्रिम प्राप्त किया है। इस अनुबंध के तहत नेपाल रेलवे के 88 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है जिसमें स्टेशन मास्टर, पॉइंट्समैन, ट्रैकमैन और गेटमैन शामिल हैं केआरसीएल के पैसेंजर रेक को आईसीएफ से एलएचबी में बदला जा रहा है। इस महीने के दौरान एलएचबी डिब्बों वाला पहला यात्री रेक सेवा के लिए उपलब्ध कराया गया है
अगस्त-2021	उत्पादन इकाइयों से केआरसीएल के यात्री रेक के लिए नए एलएचबी कोच आवंटित किए गए हैं। माह के दौरान 11 कोच प्राप्त हुए हैं और सेवाओं में उपयोग के लिए कार्यान्वित किए गए हैं। इस के साथ, कोंकण रेलवे की सभी ट्रेनें अब एलएचबी कोच के साथ चलेंगी केआरसीएल ने ओएचई के निर्माण और रखरखाव के लिए 06 टॉवर वैगन (डीईटीसी) को शामिल किया है। इन टावर वैगनों (डीईटीसी) के रखरखाव की व्यवस्था इन-हाउस कर दी गई है और पहले टावर वैगन (डीईटीसी) को इस माह के दौरान वार्षिक शेड्यूल किया गया
जुलाई-2021	'प्रतिस्पर्धा के आधार पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को रोलिंग स्टॉक वर्क्स के असाइनमेंट' के लिए इम्प्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट (ईओआई) रेलवे बोर्ड को प्रस्तुत की गई। केआरसीएल को भारतीय रेल की 'रोलिंग स्टॉक इंफ्रास्ट्रक्चर' परियोजनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा पहले ही नामांकित किया जा चुका है। वेरना डिपो की दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) को ट्रेन संख्या 01134 एम.ए.क्यू-सी.एस.एम.टी. एक्सप्रेस की री-रेलिंग के लिए भेजा गया, जो दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के एल.आई.एम-डी.डी.एस सेक्शन में पटरी से उतर गई थी । ए.आर.टी टीम ने रिकॉर्ड समय में री-रेलिंग में सक्रिय भूमिका निभाई। माह के दौरान 03 ट्रैक मशीनें और 05 आरएमवी का अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यू.एस.एफ.डी) परीक्षण का कार्य पूरा किया गया। इसके साथ ही सभी ट्रैक मशीनों, टावर

	वैगनों और यूटीवी का यूएसटी परीक्षण पूरा कर लिया गया है। केआरसीएल ने उत्तर मध्य रेलवे के इलाहाबाद-कानपुर सेक्शन में 03 स्वचालित ट्रेन परीक्षण प्रणाली की आपूर्ति की और उसे कार्यान्वित किया है। इसके साथ ही अब भारतीय रेलवे और केआरसीएल दोनों में 10 एटीईएस सिस्टम स्थापित किये गए हैं।
मई-2021	रेलवे प्रणाली के संचालन/ परिचालन के लिए अनुबंध के अनुसार, कक्षा और क्षेत्र प्रशिक्षण दिनांक 21/04/2021 से 02/05/2021 तक नेपाल में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में स्टेशन मास्टर्स, पॉइंट्समैन, ट्रैकमेन और गेटमैन सहित नेपाल रेलवे कंपनी के बासठ (62) अधिकारियों ने भाग लिया
अप्रैल-2021	रोहा-रत्नागिरी खंड के बीच कोंकण रेलवे ने माह के दौरान विद्युत कर्षण पर मालगाड़ियों का परिचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों को केआरसीएल के आंतरिक प्रशिक्षित कर्मचारी चला रहे हैं। माह के दौरान 63 मालगाड़ियाँ विद्युत कर्षण पर चलाई गईं और अब इस सेक्शन में विद्युत कर्षण पर मालगाड़ियों का नियमित संचालन शुरू हो गया है। कोंकण रेलवे को जयनगर-कुर्था क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक पर यात्री सेवाओं के संचालन के लिए नेपाल रेलवे कंपनी से स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है। केआरसीएल को ट्रेन संचालन हेतु यह पहला अंतरराष्ट्रीय आदेश मिला है। कोंकण रेलवे ने पहले ही नेपाल रेलवे के अधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और ट्रेन संचालन भी जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। माह के दौरान कोच केयर सेंटर /मडगांव में 12 एलएचबी कोचों की एसएस1 शेड्यूल किया गया है ।
मार्च-2021	कोंकण रेलवे ने सभी रनिंग स्टाफ का इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन कन्वर्जन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस प्रशिक्षण में लगभग दो महीने की गहन कक्षा और फील्ड मॉड्यूल शामिल थे, 440 रनिंग स्टाफ के लगभग 26000 श्रम दिवस प्रशिक्षण दिया गया है । यह प्रशिक्षण को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के साथ इन-हाउस प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करके और आसपास के रेलवे में अभिनव पाठ्यक्रम मॉड्यूल और फील्ड प्रशिक्षण प्रदान किया गया । इन-हाउस प्रशिक्षण ने केआरसीएल को भारी आर्थिक बचत के साथ-साथ ट्रेन संचालन के लिए रनिंग स्टाफ की उपलब्धता में सुधार सुनिश्चित किया। केआरसीएल को "रोलिंग स्टॉक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स" शुरू करने के लिए अन्य चयनित उपक्रमो (पीएसयू) के साथ सूचीबद्ध किया गया है। भारतीय रेलवे की "रोलिंग स्टॉक ऑन बोर्ड" परियोजनाओं को शुरू करने के लिए केआरसीएल के नामांकन के लिए रेलवे बोर्ड को एक विस्तृत प्रस्ताव पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है।
फरवरी-2021	जनवरी,2021 से कोच केयर सेंटर /मडगांव में एलएचबी कोचों का एसएस-I शेड्यूल शुरू किया गया और केआरसीएल के 86 एलएचबी कोचों में से 40 का एसएस-I शेड्यूल पूरा किया गया है। रोहा-रत्नागिरी सेक्शन के बीच केआरसीएल प्रशिक्षित इन-हाउस लोको रनिंग स्टाफ का

	उपयोग इलेक्ट्रिक लोको परीक्षण को करने के लिए किया गया। सेंट्रल रेलवे के दौंड में सी एंड डब्ल्यू और रनिंग स्टाफ के लिए "एसी / डीज़ल इंजनों का ब्रिजिंग" प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। केआरसीएल में पहली बार मध्य रेलवे की सहायता से ट्रैक मशीनों और यूटिलिटी व्हीकल की विश्वसनीयता में सुधार के लिए ट्रैक मशीनों का यूएसएफडी परीक्षण शुरू किया गया। बीसीएम 385, डीजीएस, सीएसएम 947 और सीएसएम 954 का यूएसएफडी एक्सल परीक्षण पूरा हो गया है। यूएसएफडी परीक्षण के लिए आंतरिक क्षमता भी विकसित की जा रही है।
जनवरी-2021	के.आर.सी.एल के एल.एच.बी कोचों का एसएस-1 शेड्यूल माह के दौरान शुरू किया गया । मैसूर वर्कशॉप से एसएस-1 के लिए बोगियों की व्यवस्था की जा रही है। जयनगर-कुर्था लाइन के परिचालन की तैयारी के लिए यांत्रिक और परिचालन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों की एक टीम ने नेपाल रेलवे का दौरा किया। वाणिज्यिक प्रस्ताव और मसौदा समझौता पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है केआरसीएल अधिकारियों की एक टीम ने स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट (एसीडब्ल्यूपी) की स्थापना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन के लिए नागरकोइल कोचिंग डिपो का दौरा किया। दक्षिण रेलवे को यह काम आरवीएनएल के माध्यम से केआरसीएल को सौंपने की उम्मीद है। यांत्रिक विभाग द्वारा टावर वैगनों (डीईटीसी) का रख-रखाव शुरू किया गया है जिसका उपयोग 25 केवी ओवरहेड उपकरण (ओएचई) के रख-रखाव के लिए किया जाएगा। रख-रखाव सूत्रीकरण का अभ्यास, पुर्जों की योजना और कर्मचारियों के प्रशिक्षण का कार्य प्रगति पर है। यह गतिविधि बिना अतिरिक्त श्रमशक्ति के की जा रही है।

9.02.2022